

बंदा मत करो गर्व गुमान अमर नहीं रहणें की काया



बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया,
रहणें की काया,
अमर नहीं रहणें की काया,
बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया।bd।

बिस भुजा दस शीश रावण के,
लाख पुत्र जाया,
रामचन्द्र से युद्ध कीया,
धरती से मिलवाया,
ये थे बहुत बड़े तुफान,
जिनको काल बली खाया,
बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया।bd।

बड़े वीर थे कोरव पांडव,
कुटम्ब खपाय दिया सारे,
कुरुक्षेत्र के बिच नाश हुऐ,
अक्सुमणी सात और ग्यारा,
जिनके सायक थे भगवान,
पड़ी धरणी बिच माया,
बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया।bd।

साठ हजार राजा सागर के,
इन्द्र लोक डर पाया,
सुरपति अस्व पकड़ हाथ जब,
कपील पास बंधवाया,
मुनी नें फुकी सब की जान,
पलक में ढेर लगाया ओ,
बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया।bd।



विक्रम भोज भीम और भगदत्त,
करण चले गये भाई,
कहे नंदराम सोच और प्यारे,
कोण तेरी चाल चलाई,
बंदा करो हाथ से दान,
संग में कुछ नहीं लाया रे,
बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया।bd।

बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया,
रहणें की काया,
अमर नहीं रहणें की काया,
बंदा मत करो गर्व गुमान,
अमर नहीं रहणें की काया।bd।

गायक – साखी सम्राट रवि सोढ़ा ।
जैसलां जोधपुर । 7727991652
